147

संख्या– 431/xxxii(1)/01(तीन)–102/अनुरक्षण सा0म0/2012–13

प्रेषक,

विनय शंकर पाण्डेय,
अपर सचिव/राज्य सम्पत्ति अधिकारी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

वरिष्ठ वित्त अधिकारी,
उत्तराखण्ड शासन।

राज्य सम्पत्ति अनुभाग–1 देहरादूनः दिनांक 12 मार्च, 2013

विषयः– **विधान सभा भवन में सुरक्षा टावरों में लगे अलार्मो के क्षतिग्रस्त पेनिक स्विच एवं खराब मैन पैनल को बदलने एवं सुरक्षा आलार्म सिस्टम की वायरिंग को ठीक करने हेतु वित्तीय वर्ष 2012–2013 में वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में अधीक्षण अभियन्ता, 11वॉ वि0/यां वृत्त, लोक निर्माण विभाग, देहरादून के पत्रांकः–2331/2सी0बी0(III)–11/2012 दिनांक 28–08–2012 के माध्यम से उपलब्ध कराये आगणन के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि **विधान सभा भवन में सुरक्षा टावरों में लगे अलार्मो के क्षतिग्रस्त पेनिक स्विच एवं खराब मैन पैनल को बदलने एवं सुरक्षा आलार्म सिस्टम की वायरिंग को ठीक करने हेतु वित्तीय वर्ष 2012–2013 में ₹ 2.41 लाख के आगणन के सापेक्ष टी0ए0सी0 वित्त द्वारा सम्यक परीक्षणोपरान्त संस्तुत ₹ 0.37** लाख (**₹ सैतीस हजार** मात्र) एवं **उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली–2008** के अनुसार **₹ 1.97** लाख (**₹ एक लाख, सत्तानब्बे हजार** मात्र) **अर्थात कुल ₹ 2.34** लाख (**₹ दो लाख,चौतीस हजार** मात्र) की धनराशि के आगणन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि के सापेक्ष **शासनादेश संख्या–59/xxxii(1)/01(एक)–01/2012/बजट–मुख्य/(प्रथम अनुपूरक) 2012–13 दिनांक 10 जनवरी 2013 एवं अलोटमेंट** आई डी–**H1301070149 दिनांक 04 जनवरी 2013 द्वारा आपके निर्वतन** पर रखी गई धनराशि में से **प्रथम किश्त** के रूप में धनराशि **₹ 1.34** लाख (**₹ एक लाख, चौतीस हजार** मात्र) को व्यय किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2– वरिष्ठ **वित्त अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन** द्वारा, धनराशि **₹ 1.34** लाख (**₹ एक लाख, चौतीस हजार** मात्र) का आहरण कर चैक/बैक ड्राफ्ट **अधिशासी अभियन्ता, वि0/यां0 खण्ड, लोक निर्माण विभाग, देहरादून** के नाम बनाते हुए उन्हे उपलब्ध कराया जायेगा ।

3– **प्रमुख अभियन्ता/विभागाध्यक्ष**, लोक **निर्माण** विभाग **प्रस्तर–1** में स्वीकृत धनराशि **₹ 1.34** लाख (**₹ एक लाख, चौतीस हजार** मात्र) का निम्न **शर्तो** के अधीन नियमानुसार व्यय करना सुनिश्चित करेगें।

4– निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2012–2013 में प्रारम्भ कर पूर्ण करा लिया जायेगा।

5– आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता, द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति हेतु नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता, का अनुमोदन आवश्यक होगा।

6– कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

7– कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। कार्य की अनुमन्यता निर्धारित मानकों के अनुसार है, यह भी कृपया सुनिश्चित किया जाय।

147

8– कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

9– उक्त कार्य एवं कार्य से संबंधित सामग्रियों का कय एवं भुगतान के संबंध में **उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट) नियमावली, 2008** में प्राविधानित नियमों एवं दिशा निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

10– कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली–भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों द्वारा अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकता एवं प्राप्त निर्देशों के अनुरूप कार्य किया जायें।

11– आगणन जिन मदों हेतु राशि स्वीकृत की गई है व्यय उन्हीं मदों पर किया जाए, एक मद की राशि दूसरे मदों पर कदापि व्यय नही की जाय।

12– आयकर की कटौती संबंधित अनुरक्षण इकाई द्वारा अपने स्तर से करायी जायेगी।

13– कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे तथा आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा एवं कार्य समय से पूर्ण करा लिया जायेगा।

14– भवनों/आवासों में अनुरक्षण/मरम्मत कार्यो हेतु **एक रजिस्टर बनाया** जाय जिसमें किये गये कार्यो को अंकित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

15– कार्यदायी संस्था द्वारा **मुख्य व्यवस्थाधिकारी, राज्य सम्पत्ति** विभाग से उक्त कार्य का **संतोषजनक/संतुष्टिपरक गुणवत्ता पूर्वक** कार्य किये जाने का **प्रमाण पत्र** प्राप्त उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही **अगली किश्त** अवमुक्त की जाएगी।

16– इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष–2012–2013 के आय–व्ययक की अनुदान संख्या–07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक–2052–सचिवालय सामान्य सेवायें–00–**आयोजनेत्तर**–091–संलग्न कार्यालय–03–राज्य सम्पत्ति विभाग–**0301–सामान्य मरम्मत–29–अनुरक्षण** के नामे डाला जाएगा ।

17– यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या–321/XXVII(1)/2012,दिनांक 19 जून, 2012 में प्राप्त निर्देशों के कम में निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(विनय शंकर पाण्डेय)
अपर सचिव/राज्य सम्पत्ति अधिकारी।

संख्या–431 /xxxii(1)/01(तीन)–102/अनुरक्षण सा0प्र0/2012–13 तददिनांक ।

1– महालेखाकार,उत्तराखण्ड ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा सहारनपुर रोड, देहरादून ।
2– **वित्त अधिकारी,** केन्द्रीयकृत भुगतान एवं लेखा कार्यालय, 23 **लक्ष्मी रोड,** डालनवाला।
3– **प्रमुख अभियन्ता/विभागाध्यक्ष लोक निर्माण** विभाग देहरादून।
4– अधीक्षण अभियन्ता, 9वॉ एवं 11 वॉ वृत्त, लोक निर्माण विभाग देहरादून।
5– **अधिशासी अभियन्ता,** वि0/यां0 खण्ड, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
6– मुख्य व्यवस्थाधिकारी सीनियर ग्रेड, राज्य सम्पत्ति विभाग, देहरादून को इस निर्देश के साथ कि **एन. आई.सी.** में अपलोड करायें।
7– मुख्य व्यवस्थाधिकारी, राज्य सम्पत्ति विभाग, देहरादून।
8– वित्त अनुभाग–5, उत्तराखण्ड शासन।
9– **सचिवालय प्रशासन लेखा अनुभाग**–4 उत्तराखण्ड शासन।
10– निदेशक **एन.आई.सी.** सचिवालय परिसर।
11– गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(कृष्ण सिंह)
अनुसचिव।